मेसर्स एन. टी. पी. सी. लिमिटेड द्वारा तिलाईपाली कोल ब्लॉक के अन्तर्गत ग्राम बिच्छीनारा, कुदूरमौहा, तिलाईपाली, नयारामपुर, रायकेरा, साल्हेपाली, चोटीगुड़ा, अजितगढ़, तहसील घरघोड़ा, जिला रायगढ़ में प्रस्तावित ओपन कास्ट कोयला खदान क्षमता –18.0 एम.टी.पी.ए. एवं भूमिगत कोयला खदान क्षमता–0.72 एम.टी.पी.ए. (लीज क्षेत्र–2113 हेक्टेयर) के पर्यावरणीय स्वीकृति के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई दिनांक 10.12.2010 का कार्यवाही विवरण

मेसर्स एन. टी. पी. सी. लिमिटेड द्वारा तिलाईपाली कोल ब्लॉक के अन्तर्गत ग्राम बिच्छीनारा, कुदूरमौहा, तिलाईपाली, नयारामपुर, रायकेरा, साल्हेपाली, चोटीगुड़ा, अजितगढ़, तहसील घरघोड़ा, जिला रायगढ़ में प्रस्तावित ओपन कास्ट कोयला खदान क्षमता –18.0 एम.टी.पी.ए. एवं भूमिगत कोयला खदान क्षमता–0.72 एम.टी.पी.ए. (लीज क्षेत्र–2113 हेक्टेयर) के पर्यावरणीय स्वीकृति के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई दिनांक 10.12.2010 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रायकेरा का मैदान, तहसील घरघोड़ा, जिला रायगढ़ में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायगढ, की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा प्रातः 11.00 बजे लोक सुनवाई की कार्यवाही प्रारंभ की गई । लोक सुनवाई में पुलिस अधीक्षक, रायगढ़ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), धर्मजयगढ़ तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपस्थित थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा रायगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी।

लोक सुनवाई में लगभग 1500 लोगो का जन समुदाय एकत्रित हुआ। उपस्थिति पत्रक पर 38 लोगों ने हस्ताक्षर किये। मौखिक वक्तव्यों को लिपिबद्ध किया गया।

लोक सुनवाई उद्योग प्रतिनिधि के द्वारा परियोजना के प्रस्तुतीकरण से प्रांरभ हुई। सर्वप्रथम उद्योग की ओर से कंपनी प्रतिनिधि श्री हर्ष पचौरी, उप प्रबंधक, जनसंपर्क, ए. बी. हलधर, प्रोजेक्ट हेड एवं पी. गिरी ई. आई. ए. कंसलटेंट ने प्रस्तावित परियोजना से होने वाले प्रदूषण नियंत्रण, जल की आवश्यकता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्थानीय लोगों को रोजगार, सामुदायिक विकास कार्य आदि के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा उद्योग प्रतिनिधि को जन सुनवाई के दरम्यान उठायी गई आपत्तियों, टीकाटिप्पणी को नोट करने तथा उन्हें कार्यवाही के अंत में बिन्दुवार स्पष्ट जानकारी देने का निर्देश दिया गया। इसके उपरांत उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जिस पर निम्नानुसार 683 व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किये –

सर्वश्री –

1. मोंगरा बाई, तिलाईपाली– हम तेंदूपत्ता तोड़ते, चार महुआ से गुजारा होता है, छः महीने तक अगर जमीन का उचित मुआवजा नहीं मिलेगा तो मैं एन. टी. पी. सी का विरोध करती हूँ।

2. रुकमणी, बिच्छीनारा – हम इस खादन को नहीं चाहते हैं।
3. गुलापी, बिच्छीनारा – विरोध है, एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
4. सोनकुंवर, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
5. सहमुनी, बिच्छीनारा– हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
6. पनबुड़ीन, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
7. सुन्दरमती, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी नहीं चाहती हैं।
8. उसनीदि, बिच्छीनारा –एन. टी. पी. सी नहीं चाहती हैं।
9. सफेदबाई, तिलाईपाली – हमारा खेतीबारी है हम चार महुआ तोड़ते हैं। हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहती हैं।
10. सुशीला बाई, बिच्छीनारा – मैं एन. टी. पी. सी नहीं चाहती हैं।
11. भगवती, तिलाईपाली – हम एन. टी. पी. सी. को जमीन नहीं देना चाहते हैं।
12. सुशीला बाई, तिलाईपाली – हम चार, महुआ से गुजारा करते हैं मैं एन. टी. पी. सी नहीं चाहती हैं।
13. मीनादनी, तिलाईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहती हैं।
14. प्रेमकुमारी, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी नहीं चाहती हूॅ।
15. कांति, तिलाईपाली – नहीं चाहते हैं।
16. बुधनी, तिलाईपाली – मैं एन. टी. पी. सी नहीं चाहती हूॅ।
17. महरंगी बाई, तिलाईपाली – मैं एन. टी. पी. सी नहीं चाहती हूॅ।
18. ईश्वरी, तिलाईपाली – मैं एन. टी. पी. सी नहीं चाहती हूॅ।
19. चन्द्रमती, बिच्छीनारा – मैं एन. टी. पी. सी नहीं चाहती हूॅ।
20. साधमती, बिच्छीनारा – मैं एन. टी. पी. सी नहीं चाहती हूॅ।
21. सनमती, बिच्छीनारा – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
22. गुलापी यादव, बिच्छीनारा – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
23. सुशीला गुप्ता, तिलाईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
24. कजरी, तिलाईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
25. तिहारी, बिच्छीनारा – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
26. सौरी, तिलाईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
27. घसीयानो, तिलाईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
28. फूलमति, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी का विरोध करती हूॅ।
29. दुखी बाई, तिलाईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
30. रामबती, बिच्छीनारा – हम एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
31. हरेराम राठिया, बिच्छीनारा – आज दिनांक 10.12.2010 को ग्राम पंचायत बिच्छीनारा के समस्त ग्रामवासी एन. टी. पी. के जन सुनवाई का विरोध करते हैं, आज से पहले पर्यावरण अच्छा था, एन. टी. पी. सी. के खुलने से पर्यावरण खराब हो जायेगा, इसके खुलने से जल संसाधन नष्ट हो जायेगा, यहॉ के लोगों का आर्थिक उपार्जन खेती से करते हैं, कोयला खदान के खुलने से खेती प्रभावित होगा, विस्थापन से यहॉ के लोगों का जीवन प्रभावित होगा, रायगढ़ जिला का बहुत बड़ा भाग औद्योगिकरण और प्रदूषण से पीड़ित है, इस क्षेत्र में भी प्रदूषण बढ़ेगा। इनके द्वारा प्रस्तुत ई. आई. ए. को झूठा बनाया गया है, केवल 1845 लोगों का प्रभावित होना

बताया गया है, जबकि 5000 से अधिक लोग प्रभावित होंगे, क्षेत्र के आदिवासियों को उनके भूमि से हटाया जा रहा है। एन. टी. पी. सी. में रोजगार शून्य है मशीनों से कार्य कराये जाने के कारण रोजगार नहीं मिलेगा। हम एन. टी. पी. सी के पक्ष में नहीं हैं उन्हें पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं दिया जाना चाहिए।

32. प्यारेलाल गुप्ता, तिलाईपाली – ग्राम तिलाईपाली के खदान के निम्न बिन्दुओं के आधार पर विरोध करता हूँ, पर्यावरण प्रदूषित होगा, क्षेत्र में वनोपज प्रभावित होगा, अतः मैं इस जन सुनवाई का विरोध करता हूँ।
33. जगेश्वर राठिया, बिच्छीनारा – हमको एन. टी. पी. सी. नहीं चाहिए।
34. पुरुषोत्तम राठिया, तिलाईपाली – मैं एन. टी. पी. सी. नहीं चाहता हूँ।
35. पंचम सिंह, बिच्छीनारा – आज रायगढ़ का बहुत बड़ा क्षेत्र प्रदूषण को झेल रहा है, आज पूंजीपथरा क्षेत्र में बहुत सारे उद्योग स्थापित है, उनके स्थापना से पूर्व भी जन सुनवाई हुए होंगे, पर उनके द्वारा पर्यावरण नियम का पालन नहीं किया जा रहा है। आज हमारे कपड़े कोयले से खराब हो जाते हैं, जो नाले रास्ते में बहते थे, उनमें साफ पानी बहता था, आज उनमें गंदा पानी बह रहा है। जंगल में होने वाले चार, तेंदू, महुआ से जीवन उपार्जन करते थे, वे प्रभावित हो जायेंगे। इस खदान के लगने से हमारे बिच्छीनारा पंचायत क्षेत्र से ही लगभग 1 लाख पेड़े काटे जायेंगे, जिससे पर्यावरण प्रभावित होगा, इस क्षेत्र में आदिवासी लोग निवास करते हैं, उनका निवास जंगल है और कृषि तथा जंगल पर आधारित रहते हैं, हम आदिवासी, पेड़ों, जंगलो, नदी नाले और पहाड़ों की पूजा करते हैं, उनको नष्ट कर दिया जायेगा, आदिवासी का अर्थ है जो आदिकाल से यहॉ निवास कर रहे हों। अगर यहॉ पर यह परियोजना लागू की जायेगी, तो आदिवासी पैसे का उचित उपयोग नहीं कर पायेगा। आदिवासी विनाश के कागार पर पहुँच जायेगा।
36. मिथिला बाई, तिलाईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
37. कुन्ती, तिलाईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
38. रंगवती, तिलाईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
39. सुकमती, तिलईपाली –
40. भानूमति, तिलाईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
41. ज्मुनाबाई, तिलईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
42. सुमित्रा बाई, तिलईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
43. जेमा, तिलईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
44. जेमाबाई, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
45. सावित्री बाई, तिलईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
46. हेमकुमारी राठिया, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी का विरोध करती हूँ।
47. हथरिन बाई, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी का विरोध करती हूँ।
48. नैनमति, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
49. चंपा बाई, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
50. जानकी बाई, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी का विरोध करती हूँ।
51. शनियारो, पंच, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।

52. शनिरो, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
53. वृंदावती, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
54. ऊषा यादव, तिलईपाली – हमारा गांव को हम कैसे जाने देंगे, हम नौकरी और पैसा नहीं चाहते हैं, उस नौकरी का क्या भरोसा जो हमको आज देंगे और कल छीन लेंगे, हम एन.टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं। हम हमेशा तिलईपाली गांव में रहना चाहते हैं, हम यहीं जीना चाहते हैं। इसलिये हम नहीं चाहते कि कंपनी आये क्योंकि कंपनी के आने से वहॉ के पेड़–पौधे और जीव जंतु नष्ट हो जायेंगे।
55. जगरमती,तिलईपाली – मैं एन. टी. पी. सी के जन सुनवाई का विरोध करती हूॅ।
56. जमुना, तिलईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
57. रमीलो, तिलईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
58. वृंदावती, तिलईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
59. मांगमती, तिलईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
60. सरोज गुप्ता, तिलईपाली – हम एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
61. राजकुमारी, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी नहीं चाहते हैं।
62. सीता, तिलईपाली – नहीं चाहते हैं।
63. बंशीधर गुप्ता, तिलईपाली – दिनांक 10.12.2010 को तिलईपाली में आयेाजित जन सुनवाई का विरोध इसलिये करता हूॅ क्योंकि इसके खुलने से हजारो–हजारो पेड़ काटे जायेंगे और प्रदूषण होगा, इसलिये मैं इसका विरोध करता हूॅ।
64. देवसिंह श्रीवास, तिलाईपाली – तिलईपाली कोल खदान के विरोध के संबंध में जन सुनवाई का निम्नबिन्दुओं पर विरोध करता हूॅ। क्षेत्र में खदान खुलने से हजारों पेड़ काटे जायेंगे, क्षेत्र के वनोपज समाप्त हो जायेंगे।
65. देवेन्द्र साहू, तिलईपाली – मैं कोयला खदान का विरोध करता हूॅ।
66. रविन्द्र सारथी, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
67. बैरागीराम गुप्ता, तिलईपाली – विरोध करता हूॅ।
68. गोपसिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
69. गुसईराम चौहान, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. मेरे को भी अच्छी नहीं लग रहा है, मैं आपत्ति कर रहा हूॅ।
70. गजराज सिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहता हूॅ।
71. तिलोसाय, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
72. नीला साहू, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी.नहीं चाहती हूॅ।
73. सुशीला साहू, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूॅ।
74. चम्पी बाई, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूॅ।
75. समारी, तिलईपाली – तिलईपाली में खदान नहीं खोलने देंगे।
76. खुश्की, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूॅ।
77. कांतिबाई, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूॅ।
78. धनकुंवर, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूॅ।
79. भगवति, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूॅ।

80. रामकुंवर,बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूँ।
81. जगरमती, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूँ।
82. मालती, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूँ।
83. मेहतरीन, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूँ।
84. रुकनी बाई, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूँ।
85. विमला, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूँ।
86. असमती, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूँ।
87. रमीलो, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूँ।
88. घसनीन, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूँ।
89. अहिल्या बाई, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहती हूँ।
90. रंगवती, बिच्छीनारा – मध्यान भोजन से संबंधित।
91. द्रूपति, बिच्छीनारा – मध्यान भोजन से संबंधित।
92. चतुरसिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
93. अमरुतलाल पंच, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
94. आनंदराम, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहता हूँ।
95. मोतीलाल गुप्ता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
96. चमरुराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहता हूँ।
97. ठाकरो, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहता हूँ।
98. दिलीप कुमार, कुदुलमौहा – हम एन. टी. पी. सी. को नहीं देना चाहते क्योंकि पूर्व से खेती किसानी करते आ रहे हैं अगर जमीन को एन. टी. पी. सी. को दे देंगे तो हमें जमीन नहीं मिलेगा।
99. नैनलाल, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. को नहीं चाहता हूँ। मेरा दो एकड़ जमीन है जिसमें से एक एकड़ जायेगा तो एक एकड़ में कैसे गुजारा होगा।
100. तेजराम राठिया, तिलईपाली – ग्राम तिलईपाली में कोयला खदान नहीं चाहते क्योंकि कोयला खदान खुलने से पेड़ कटेगा, खेती का जमीन खराब होगा, मैं विरोध करता हूँ। हम धरती का पूजा करते हैं, धरती हमको अन्न देता है, हम उसमें खेलते हैं।
101. सुखसाय राठिया, बिच्छीनारा – हम एन. टी. पी. सी. को नहीं चाहते हैं।
102. टोपीचंद गुप्ता, तिलईपाली – इस जन सुनवाई का विरोध करता हूँ।
103. राम, अजीतगढ़ – एन.टी.पी.सी नहीं चाहिए।
104. प्रताप सिंह, बिच्छीनारा – तिलईपाली खदान का विरोध करता हूँ, क्योंकि 1 लाख पेड़ पौधे कटेंगे, हमको कहीं और जमीन नहीं मिलेगा।
105. हरिराम, कुतुरमौहा – विरोध करता हूँ।
106. लच्छीराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
107. कार्तिकराम, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
108. चरण सिंह यादव, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
109. रामकुमार, कुतुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं। हमारे गांव जहाँ मैं पैदा हुआ हूँ। जंगल नहीं रहेगा तो कैसे रहेंगे।
110. बैगाराम, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
111. अमरसाय, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।

112. घनाराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
113. फूलसिह, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
114. मोहित राम, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
115. अंतुराम, तिलईपाली – तिलईपाली में कोयला खदान का विरोध करता हूँ।
116. रामलाल, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
117. शनिराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
118. मेहतराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
119. उसतराम, बिच्छीनारा – विरोध करते हैं।
120. रामसिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
121. पंचसिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
122. शांति, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
123. गढ़ईन, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
124. रंगीलोबाई, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
125. बहरतीन, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
126. वृदावती, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
127. माधुरी, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
128. दशो चौहन, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
129. बुधवारो, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
130. सविता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
131. विलासो, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
132. तिलईबाई, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
133. राधिका बाई,कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
134. लक्ष्मीबाई, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
135. पुतली बाई, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
136. सहोद्रा, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
137. बूंदकुंवर, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
138. कांति, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
139. धंनकुवर, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
140. घुरईबाई, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
141. बिलासो, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
142. मंगलई, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
143. मेहरमती, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
144. राजमेत, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
145. मनकुंवर बाई, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
146. सुमित्रा, कुदुरमौहा –
147. भगवती, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
148. संनकुंवर,बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं। हमारा पुरखौती जमीन को नहीं देंगे।
149. रायसिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
150. रविनारायण गुप्ता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
151. रामसिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।

152. कुदुराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
153. भक्तिराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
154. मयाराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
155. रेंगसा, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
156. लक्षन कुमार, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
157. बंधनराम यादव, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
158. विष्णु, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
159. सुखसाय, तिलईपाली – मेरा 5 एकड़ जमीन है, उसमें मैं कमाता हूँ, अगर एन. टी. पी. सी. आयेगा तो सब विनाश हो जायेगा।
160. बुधुराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
161. चन्द्रशेखर, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
162. मसतराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
163. बंशीराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
164. रामेश्वर, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
165. चमार सिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
166. अविराम गुप्ता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
167. लेकरुराम, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
168. उदयराम, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
169. अजीत कुमार, तिलईपाली – एन.टी.पी. सी लगने से हजारो पेड़ काटे जायेंगे, हमे पर्यावरण पर विशेष ध्यान देना होगा।
170. महेन्द्र कुमार, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
171. उमेश कुमार, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं। एन.टी.पी.सी. को भगाना है।
172. गुमान सिंह राठिया, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
173. बोधराम गुप्ता, तिलईपाली – तिलईपाली कोयला खदान के संबंध में जन सुनवाई का विरोध करता हूँ। तिलईपाली आदिवासी क्षेत्र है, इस क्षेत्र के आदिवासियों का जीवन प्रभावित होगा, इसलिये इस जन सुनवाई का विरोध करता हूँ।
174. मनकुंवर, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
175. रतई, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
176. तीजमती, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
177. सीरमती, कुदुरमौहा – हमारे गांव के आमा, महुआ होता है सब नष्ट हो जायेगा, एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
178. समारी, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
179. खीरमती, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
180. मोंगराबाई, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
181. गोमती, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करती हूँ।
182. दुतियाबाई, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
183. कुमारी बैजन्ती नगेसिया, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. के द्वारा प्रभावित ग्राम में स्कूल खोला जाये, सड़कों का निर्माण किया जाये, पीने के पानी की व्यवस्था की जाये, पुलिया निर्माण किया जाये, प्रभावित गांव के परिवार

के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा दी जाये, जमीन का मुआवजा, हरियाणा राज्य के बराबर दिया जाये।

184. कामिनी बाई, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करती हूँ।
185. बासमती, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. विरोध करती हूँ।
186. मीराबाई चौहान, नयारामपुर – कोयला खदान नहीं चाहते हैं, बाल बच्चों के साथ खेती करते हैं और जीवन यापन करते हैं, हम लोग एन. टी.पी. सी में नौकरी नहीं करना चाहते, हम अपने बच्चों को पढा–लिखा कर बड़ा आदमी बनाना चाहते हैं, हम लोग अच्छे पर्यावरण में रहते हैं, हमें अपने पर्यावरण को बिगड़ने नहीं देना चाहते हैं। हम लोग अपनी धरती माता का अच्छा से देखभाल करते हैं, हम लोग पेड़ लगाये हैं। हम लोग हमेशा इसी गांव में निवास करना चाहते हैं, एन. टी. पी. सी के आने से हम लोग बिखर जायेंगे। गांव के सभी निवासी अलग–अलग हो जायेंगे।
187. शनिरो, उरगांव – एन. टी. पी. सी. को नहीं देंगे, रामपुर गांव के लोग जैसा चाहते हैं। वैसे ही हम भी चाहते है।
188. बूंदो, बिच्छीनारा – घर बनाना चाहते हैं।
189. एतवारिन, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
190. महेश्वर गुप्ता, तिलईपाली – 10.12.2010 को एन. टी. पी. सी. तिलईपाली के जन सुनवाई का निम्न बिन्दुओं में विरोध करता हूँ। इस क्षेत्र में प्रदूषण होगा, आदिवासियों के जीविका समाप्त हो जायेगा, इसलिये मैं विरोध करता हूँ। जान देंगे लेकिन जमीन नहीं देंगे।
191. तपेश्वर राम गुप्ता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
192. प्रताप सिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
193. घासीराम, तिलईपाली – विरोध करता हूँ।
194. गोपीराम चौहान, बिच्छीनारा – हम जीते खाते आ रहे हैं, हम कहीं नहीं जायेंगे, हम एन. टी. पी. सी. का विरोध करते हैं।
195. राजू, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
196. संतोष, तिलईपाली –एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
197. राम, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
198. कृष्ण कुमार, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
199. जगतराम राठिया, कुदुरमौहा – मैं एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ। क्योंकि हम खेती किसानी करते हैं।
200. इतवार, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
201. रनेश कुमार, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ। हम अपना जमीन नहीं देंगे, हमारा जमीन ले लेगा तो कैसे जियेंगे। हम एन. टी.पी.सी को नहीं आने देंगे।
202. अनादी गुप्ता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
203. कार्तिकराम, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
204. उसत कुमार यादव, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
205. महेत्तर, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
206. समयराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
207. माधुराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।

208. संतोष, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
209. महेश कुमार, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
210. देवसिंह, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
211. घनश्याम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
212. मनोहर, कुदुरमौहा – हम बाप दादा से किसानी कर रहे हैं, जैसे तंबू गड़ा है वैसे ही हमारे बाप दादा के समय से हमारा जमीन है। मैं एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
213. सानुज कुमार, तिलईपाली – हमारे बाप–दादा इस जमीन में खेती किये हैं, एन.टी.पी. सी. के आ जाने से बहुत तकलीफ होगा, जमीन कोई दुकान में नहीं मिलता है हम जमीन कहॉ से लायेगे। विरोध है।
214. घसीराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
215. कन्हैयालाल, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
216. प्रबंध कुमार राठिया, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
217. राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, बिच्छीनारा – हमारे बुजुर्ग लोग 50 साल पहले संबलपुर डेम से विस्थापित होकर आये थे, उनके पास 100 एकड़ जमीन था और एक एकड़ जमीन भी नहीं ले पाये हैं, चार, तेंदू, महुआ से हमारा जीवन चल रहा है, वह प्रभावित होगा। मैं एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
218. संनकुवंर, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
219. मोहराकला,नयारामपुर– न हम जमीन देगें और हम दो दिन जीना चाहते है। हमको इससे क्या मिलेगा एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
220. चमेली,नयारामपुर – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
221. इन्दुमति, चिरईपानी – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
222. पंचमति, कुदुरमौहा –एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
223. सीताबाई,कुदुरमौहा– एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
224. दुलारी, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
225. रंगमति, कटरापाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
226. मांगमति,कुदुरमौहा– हम चार, तेन्दू बेचकर जीवन यापन करते हैं एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
227. रम्भा गुप्ता, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
228. पार्वती गुप्ता, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
229. मालती गुप्ता , तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
230. सुकान्ति , केडाखोल – दो एकड़ जमीन में रेत पड़ी है।
231. सनकुवंर ,केराखोल – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
232. मुरारीबाई,केराखोल – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
233. मनकुवंर, केराखोल – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
234. मांगलमति, रेंगालपाली – मेरा मकान चाहिए । मुआवजा राशि चाहिए।
235. दयाराम राठिया, कुदुरमौहा – निर विरोध है।
236. दिनेश गुप्ता , तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
237. कुस्तुराम, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
238. मुगलुराम , तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।

239. मिलकेतन , तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
240. पुस्तम , तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
241. मयाराम , तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
242. बुन्देला, तिलाईपाली – तिलाईपाली में एन.टी.पी.सी. नही चाहिए।
243. धनपत्ति, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
244. कुशराम ,बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
245. ई□वर गुप्ता, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
246. श्याम सुन्दर, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
247. विजय गुप्ता , तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
248. भगत सिंह, कुदुरमौहा – हमे हमारा खेत चाहिए , एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
249. ललित कुमार सारथी, चौटीगुड़ा – हम अपने जमीन पर जो भी फसल उगाते है उसे खोना नही चाहते है। यदि हम अपने जमीन को आप लोगो को दे देते है तो फसल कहां से उगायेगें।
250. राघोराम, कुदुरमौहा, – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
251. अकालु, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
252. सुरेश दास , साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
253. परदेशी, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
254. रामचरण राठिया, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
255. उग्रसेन गुप्ता , चौटीगुड़ा – हम इसका विरोध करते है। हमे सिर्फ चौटीगुड़ा का पानी चाहिए।
256. बोधराम राठिया, नवाडिह – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
257. सुरेश कुमार , चौटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
258. कृष्णनारायण, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
259. महेश कुमार, चिमटापाली – मैं एन.टी.पी.सी को अपना जमीन नही देना चाहता हूँ और देंगें तो सभी चीजो के लिए कहां भटकेगें।
260. उघम कुमार राठिया, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
261. संतोष निषाद, साल्हेपाली – खदान लगने से प्रदूषण हेाता हैं एन. टी. पी. सी का विरोध करते है।
262. सुधीर दास, सदस्य शिवसेना, साल्हेपाली – हर व्यक्ति का लक्ष्य है अपना जीवन खुशहाल बनाना हम चाहते हैं, सब तरफ विकास हो लेकिन वातावरण प्रदूषित न हो, एन. टी. पी. सी. बतायें कि इसके लिये क्या करेंगे।
263. नवीत राम राठिया, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. को विरोध करता हूॅ।
264. अलीम महंत, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅं।
265. सुखीराम, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
266. विश्राम, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
267. सुनऊ राम कश्यप, सदस्स, शिवसेना चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
268. नरेश कश्यप, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
269. गौरांगो प्रसाद गुप्ता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।

270. रतनलाल, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
271. पंचराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
272. लालसाय, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. हमको मारने आया है।
273. चक्रधरसिंह, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
274. लक्ष्मी उरांत, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
275. मनोज कुमार शर्मा, घरघोड़ा – जन सुनवाई का निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर विरोध करता हूँ– उपयुक्त क्षेत्र हाथी प्रभावित क्षेत्र है, इसकी जानकारी ई. आई. ए. में नहीं दी गई है, वन विभाग द्वारा हाथी के लिये लाखो रुपय खर्च किया जा रहा है। यह क्षेत्र अनुसूची क्षेत्र है, इस क्षेत्र में खदान का संचालन कैसे किया जा सकता है। इनके द्वारा जितना पानी का उपयोग बताया गया है, उतना पानी रायगढ़ जिले में नहीं होता, उतना पानी कहॉ से लाया जायेगा। कितने लोगों को रोजगार दिया जायेगा इसकी जानकारी नहीं है। यहॉ के स्कूलों के बारे में जानकारी नहीं दी गई है, घरघोड़ा, 10 से 12 किलो मीटर की दूरी पर है। उसकी जानकारी ई. आई. ए. में नहीं है। कितनी भूमि की आवश्यकता होगी, इसकी जानकारी ई. आई. ए. में नहीं दिया गया है, बरौद कोयला खदान 10 किलोमीटर के अंदर है उसकी जानकारी नहीं दी गई है। केलो नदी इस खदान क्षेत्र से होकर गुजरेगी लेकिन उसको खदान क्षेत्र के बाहर होना बताया गया है। ई. आई. ए. रिपोर्ट का निर्माण मंत्रालय द्वारा जारी सूची में नहीं है, इसलिये जन सुनवाई कराया जाना उचित नहीं है।
276. रासमती, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. को नहीं देना चाहते।
277. असमती बाई, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
278. अहिल्या बाई, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
279. सुकमारी, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
280. रजनी, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
281. घुरईबाई, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
282. रुपई, रायकेरा – मेरा दो एकड़ जमीन है, हम अपना खेत नहीं देंगे, हम आमा तोड़कर पैसा कमाते हैं, हमारा जमीन चले जायेगा तो हम कैसे कमायेंगे। एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
283. कुंवरमती, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
284. रुकमेत, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
285. मनकुंवर, रायकेरा – मुझे विधवा पेंशन नहीं मिल रहा है।
286. पवित्री, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं। हम अपने बच्चों को कैसे पालेंगे।
287. विजय कुमारी राठिया, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
288. रामबती, रायकेरा – जमे हुए बस्ती को हटा रहे हैं इसलिये एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
289. बिलासो, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
290. रुकमती बाई, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
291. रामबती, रायकेरा – नहीं चाहते है।
292. सुकमेत, रायकेरा – नहीं चाहते है।

293. जैमती, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
294. रुकमेत, रायकेरा – मंजूर नहीं है।
295. सुरेश कुमार, शिव सेना, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
296. सुशील कुमार, शिवसेना, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी. को हम जमीन नहीं देंगे, जबरदस्ती लेंगे तो हम भी जबरदस्ती करेंगे। हम अनुरोध करेंगे की आज के बाद एन. टी. पी. सी. वाले यहॉ न आयें।
297. विनय कुमार, साल्हेपाली – धरती हमारी माता है और हम उससे गददारी नहीं करेंगे, हमको एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
298. बलराम राठिया, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
299. कुसुम कुमार, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
300. रामप्रसाद राठिया, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. को हटाना है और भगाना है।
301. सर्वन कुमार राठिया, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
302. उज्जवल, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
303. सेतराम, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
304. धनसाय सिदार, चोटीगुड़ा – हम 100 साल से पहले बसे हैं, कब्जाधारी हैं, पट्टा नहीं बना है, हमको अलग कर दिया जायेग, हम एन. टी. पी. सी. को नहीं देंगे।
305. अघन कुमार, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करते हैं।
306. संतोष कुमार ऋषि, घरघोड़ा – मैं निम्न बिन्दुओं पर विराध करता हूॅ, हाथी प्रभावित क्षेत्र की जानकारी नहीं दी गई है, अनुसूची 5 के अंतर्गत कृषि भूमि का उपयोग नहीं किया जा सकता, फिर खदान के लिये कैसे इसका उपयोग किया जा रहा है।, पानी कहॉ से आयेगी इसकी जानकारी नहीं दी गई, प्रायमरी स्कूल में हजारो बच्चे पढ़ रहे हैं, उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ेगा इसकी जानकारी नहीं दी गई है।
307. सनत राठिया, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. का विरोध है।
308. घासीराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
309. सुखराम उरांत, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
310. जयराज कुमार चौहान, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
311. भीम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
312. नीरज, शिवसेना, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
313. मेहत्तर प्रसाद, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
314. मोहित राम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
315. मंगतुराम, शिवसेना, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
316. सनतराम, पंच नयारामपुर – एन. टी. पी. सी. का विरोध है।
317. मगनसाय, नयारामपुर – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
318. चतुर सिंह, नवाडीह – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
319. श्रीमरा, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
320. रामसिंह राठिया, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. हटाना है।
321. घासीराम, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।

322. मानसिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. हटाना चाहते हैं।
323. अंगतराम, रामपुर – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
324. समारु, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
325. विजेश्वर, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
326. भगतराम, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
327. नत्थुराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
328. कृपाराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
329. पंचराम, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
330. प्रताप सिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
331. एतवार सिंह, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. को घुसने नहीं देंगे।
332. सिदार सिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. हमारे स्कूल में मिनी बोर लगा दिया है, लेकिन मेरा विरोध है।
333. नवीन साहू, तिलईपाली – प्रदूषण होगा इसलिये एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
334. विजय कुमार झरिया, अजीतगढ़ – तिलईपाली खदान के विरोध के संबंध में जो जन सुनवाई हो रहा है उसका विरोध हैं, यह आदिवासी बाहुल क्षेत्र है, हजारो पेड़ काटे जायेंगे, जिससे पर्यावरणीत्र प्रदूषित होगा, वनोपज नष्ट हो जायेंगे। लोगों का जीवन प्रभावित होगा।
335. जयराम राठिया, बिच्छीनारा – वनोपज नष्ट हो जायेंगे।
336. बुधवार सिंह राठिया, सरपंच, बिच्छीनारा – मैं एन. टी. पी. सी. का पुरजोर विरोध करता हूँ।
337. मालती बाई, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
338. सुकमेत बाई, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
339. असमती, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
340. फूलो, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
341. मनियरो, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
342. सुकान्ति बाई, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. मध्यान्ह भोजन दे रहे हैं, लेकिन हम एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
343. तिलमती बाई, रायकेरा – मेरा खेती है, बच्चे हैं, खेती का नुकसान होगा हम जमीन नहीं देंगे।
344. फूलो, रायकेरा – मेरे छोटे–छोटे बच्चे हैं उनको लेकर कहॉ जाऊंगी, हम एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
345. चंपाबाई,रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
346. फूलमत बाई, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
347. धनमति बाई, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
348. रामकुमारी, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
349. कांति बाई, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
350. कलावति, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
351. मैनामति, रामपुर –
352. रथिया, रामपुर – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
353. वृंदावती, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।

354. शहनी, नयारामपुर–एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
355. रुपमती, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
356. गुलापी,नयारामपुर –एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
357. अमलीबाई, नयारामपुर – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
358. धन्नीबाई, नयारामपुर – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
359. उषा बाई, नयारामपुर – एन. टी. पी. सी. जिंदाबाद।
360. सहोद्रा बाई, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
361. फूलबासिन, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
362. अमला, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
363. हीरामती, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
364. उद्धार, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
365. फूलसिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
366. बंधनराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
367. धनिराम, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
368. बंधीराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध है।
369. गंगाराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
370. हेमसिंह, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
371. गुरबारु सारथी, नयारामपुर – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं। उसको भगाना है।
372. रघुवीर प्रधान, एकता परिषद, रायगढ़ – यहॉ जो तिलईपाली परियोजना की जन सुनवाई चल रही है। यह जन सुनवाई और एन. टी. पी. सी. का कोयला खदान के लगने से पहले आदिवासियों के आजीविका के बारे में सोचना चाहिए, रायगढ़ में वर्तमान में 51 उद्योग संचालित है और 243 उद्योग प्रस्तावित है। कोरबा और रायपुर में और अधिक उद्योग लगने पर प्रतिबंध लग गया है। रायगढ़ में केवल दो मॉनिटरिंग स्टेशन होने के कारण इसका आंकलन नहीं हो पा रहा है। यहॉ के जो आदिवासी लोग हैं, यहॉ अपनी आवाज बुलंद करना चाहते हैं, उनको हमको मौका देना चाहिए यह क्षेत्र 5 वीं अनुसूची के अतर्गत आता है, जहॉ बिना ग्राम पंचायत, के अनुमति के बिना कोई भी उद्योग नहीं लग सकता । आदिवासियों के पुर्नवास का क्या प्रावधान है, उनके आजीविका की क्या व्यवस्था होगी, यह जरुरी है। अभी तक के रिकार्ड में रायगढ़ जिले में जितने भी ई. आई. ए. बने हैं, उनमें से सबसे अच्छा ई. आई. ए. है, अब उसमें क्या इम्पलीमेंटेशन होगा यह बाद की बात है। रायगढ़ में और कई उद्योग आने वाले हैं।
373. राजाराम राठिया, नयारामपुर – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
374. कन्हैया, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
375. लद्दुराम राठिया, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. को हटाना है।
376. घासीराम, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
377. राजेश कुमार, अजीतगढ़ – जन सुनवाई का विरोध करता हूँ, इस खदान के खुलने से हजारो पेड़ कट जायेंगे, आदिवासी लोग प्रभावित होंगे।
378. लगन साय राठिया, पंच, कुदुरमौहा – हमें शासन की योजना से जो पट्टा दिया है, हम एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।

379. कुमार सिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध है।
380. भगत राम, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
381. गोपाल प्रसाद, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
382. प्रदीप कुमार, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
383. जगसाय, बिच्छीनारा–एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
384. पुनीराम, बिच्छीराम – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
385. जीवन राम राठिया, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
386. रघुवीर, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
387. धनसाय,बिच्छीनारा –एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
388. राजाराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
389. श्याम कुमार, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
390. जोगीराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
391. मयाराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
392. अमरसाय, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
393. टिकाराम गुप्ता, बिच्छीनारा – आज से तीस वर्ष पहले का समय देखों हमारे गांव में किसी प्रकार का बीमारी नहीं था, आज हर प्रकार से बीमार हैं, आगे कितना पानी बरसता था, अब कितना कम पानी बरसता है, सहीं ढंग से फसल नहीं हो रहा है, इसका कारण है, पानी दूषित हो गया है, सरकार यह देखकर भी अनदेखा क्यो कर रहा है, हमारे परिवार को क्यों उजाड़ना चाहता है, हमारे प्यारे पर्यावरण को खराब क्यों कर रहा है। हम क्षेत्रवासी इस जन सुनवाई का पूरा विरोध कर रहे है।
394. शशिभूषण गुप्ता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
395. अविराम गुप्ता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
396. फकीरचंद साहू, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
397. संटुराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
398. गोबर्धन , तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
399. हसत राम ,नयारामपुर – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
400. नकुलराम, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
401. पंचराम, बिच्छीनारा – एन.टी.पी.सी. को हटाना हैं हमारा जमीन रहेगा तो जाति प्रमाण पत्र मिलेगा नही रहेगा तो कहां से मिलेगा ।
402. गोमति, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
403. चमेली, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
404. तिलकुवंर , बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
405. संतकुवंर, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
406. समारी, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
407. बालमति, रामपुर – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
408. सेनमति, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
409. गणेशी, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
410. जयमति, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
411. सावित्री बाई,बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
412. बसंती, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।

413. फुलमति, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. हटाना है।
414. जुड़ोबाई,रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
415. उत्तरकुमार, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी.विरोध करता हूँ।
416. संजय बहिदार, रायगढ़ – रायगढ़ के सभी कंपनियों ने पूरे शहर को पढ़ा दिया है जिस क्षेत्र में एन.टी.पी.सी आ रहा है उसे एक पहचान मिलेगी और यहां के लोगो को इसका पूर्णसहयोग एवं समर्थन करना चाहिए और हम आप के साथ हमेशा खड़े रहेंगे, जिस क्षेत्र में एन.टी.पी.सी आने वाला है, उस क्षेत्र का विकास होता है तथा यह लाभकारी संस्था है। हमे अपनी बातो को रखने का मौका मिला है। शासकीय योजना को रोकना विकास नही है, जब कभी भी शोषण होगा तो हम हमेशा आपके साथ है। सरकार की योजना में शोषण नही होता । इसलिये मैं इस परियोजना का समर्थन करता हूँ।
417. शोभाराम राठिया, कुदुरमौहा – जमीन हम देना नही चाहते । एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
418. पप्पु राठिया, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
419. मनबोध,पंच रामपुर – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
420. शत्रुघन, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
421. सन्यासी, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
422. धनराम, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
423. लक्ष्मीराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
424. साधूराम , कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
425. हसदराम, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. भगाना है।
426. हरिकृष्णा, अजितगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
427. कुंजराम , कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
428. चैतन, अजितगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
429. नकुल, अजितगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
430. चमार सिंह , अजितगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
431. प्रेमसाय , अजितगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
432. अभिमन्यु, बिच्छीनारा – वर्ष 2008 में लगभग 15000 पौधे लगाये गये हैं, वन विभाग से संयुक्त रुप से वृक्षारोपण किया जा रहा है, हमारे क्षेत्र को एन. टी. पी. सी के लगने से बहुत हानि होगा इसलिये मैं एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
433. दयाराम, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
434. बैरागी, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
435. महेत्तर प्रसाद निषाद, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
436. साधराम, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
437. रामकुमार राठिया, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
438. राधेश्याम राठिया, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
439. बलिराम राठिया, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
440. मोतिराम राम राठिया, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।

441. महेशराम, चोटीगुड़ा – बिजली और रोड़ के मांग को पूरा करे, एन. टी. पी. सी. जिंदाबाद।
442. पंचम सिंह, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
443. गणेशराम, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
444. मनबोध, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. को हटाना है।
445. फकीरचंद गुप्ता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
446. गणेश कुमार, रायकेरा – मेरे भतीजे को बहुत परेशानी है, उसके आपरेशन हेतु सहयोग किया जाये।
447. संतोष कुमार, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
448. बिन्दुराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
449. पृथ्वीराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
450. बुधराम, बिच्छीनारा –एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
451. रामकुमार, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
452. मानमती, रामपुर – हम चार, तेंदू महुआ को बिन कर खाते हैं, एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
453. चमरीन, रामपुर – हम चार, तेंदू महुआ को बिन कर खाते हैं, एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
454. बुधरामती, नवाडीह – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
455. सुमित्रा, नवाडीह – नहीं देंगे।
456. समारु, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
457. बनकेसा, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
458. लोहर सिंह राठिया, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
459. मंगल साय, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
460. सुखुराम गुप्ता, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
461. पिछाडुराम गुप्ता, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
462. मंगलसाय, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
463. मेहत्तर, कुदुरमौहा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
464. मंगलू, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
465. धर्मु, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
466. प्रेमसिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।
467. जगसाय, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
468. धनेश्वर प्रसाद, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. से नफरत करता हूँ।
469. दशरथ गुप्ता, चोटीगुड़ा – हमारे पूर्वज से हम बसे हुए हैं, हम सरकार से तो नहीं लड़ सकते, लेकिन अगर सरकार हमको उचित मुआवजा दे तो हम चले जायेंगे, और अगर उचित मुआवजा नहीं मिला तो उसका विरोध करेंगे।
470. महेश्वर भोय, चोटीगुड़ा – हमारा मांग है कि हम हीराकुंड डेम से प्रभावित लोग है, आज एन. टी. पी. सी. द्वारा जो जन सुनवाई कराया जा रहा है, जो जमीन का मुआवजा मिलेगा, उसमें आदिवासी और सामान्य जमीन के बराबर मुआवजा मिलेगा तो हम जमीन नहीं खरीद पायेंगे, समान्य जाति का जमीन नहीं मिलता है तो हमको चार गुना ज्यादा पैसा दिया जाये या

आदिवासी जमीन खरीदने की अनुमति दी जाये तब हम सहमत है अन्यथा नहीं।

471. परशुराम बेहरा, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी. आ रहा है यह बहुत खुशी की बात है, यह एक सेन्ट्रल गर्वनमेंट की कंपनी है, इसके आने से विकास होगा, प्राईवेट कंपनी आयेगी तो परेशानी होगी यह सरकार की बहुत बड़ी कंपनी है, इसके खुलने से विकास होगा। 15 लाख रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाये, साल्हेपाली की सभी भूमि ली जाये, सभी भूमि का एक दाम दिया जाये, बेजा कब्जा का उचित मुआवजा दिया जाये, प्रतिवर्ष मुआवजा दिया जाये, खेतो और घरों के प्रत्येक कमरो को 3 लाख और परछी का अलग से मुआवजा दिया जाये, योग्यता अनुसार नौकरी दी जाये, शिक्षा, स्वास्थ्य की सुविधा दी जाये, बाहर जमीन खरीदने पर एन. टी. पी. सी. के द्वारा सहायता की जाये, हमारी मांग पूरी होने पर समर्थन दिया जायेगा।

472. भूपदेव सिदार, चोटीगुड़ा – जो परशु बेहरा बोले वहीं हमारी मांग है उसको पूरा करने पर हम सहमत है, हम कहीं और जमीन खरीदें तो उसका पंजीयन खर्च एन. टी.पीसी को देना होगा।

473. हीरामल नायक, गोटीमाल – यह विकाश है, विनाश नहीं है, आज छ.ग. को छोटे बाम्बे का दर्जा दिया जा रहा है।

474. बुधवारो, नयारामपुर – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।

475. शिव प्रसाद, साल्हेपाली – परशुराम बेहरा जो बोले है, उस हिसाब से एन. टी. पी. सी. व्यवस्था दे तो हम भी सहयोग करेंगे नहीं तो विरोध करेंगे।

476. शिव नारायण, साल्हेपाली – जो मांग रखे हैं, उसको एन. टी. पी. सी. पूरा करता है तो हम समर्थन करते है। यह हमारे केन्द्र सरकार का परियोजना है।

477. मानसाय, चोटीगुड़ा – हमारे जमीन से सब चुरा के ले जाते हैं, कंपनी जल्दी से जल्दी चालू करे।

478. उपेन्द्र कुमार साहू, चोटीगुड़ा – ग्राम चोटीगुड़ा के सभी जमीन को लेना होगा, कोई भी जमीन नहीं बचना चाहिए, 30 लाख रुपये प्रति एकड़ जमीन दिया जाये, सभी जमीन को एक दाम में लिया जाये, क्योंकि सभी जमीन से कोयला ही निकलेगा, जिसका जमीन कोल माईनिंग से प्रभावित हो, उसके परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिया जाये, परियोजना निर्माण का ठेका स्थानीय लोगों को दिया जाये, रोजगार में 100 प्रतिशत आरक्षण दिया जाये, पक्का मकान, जाली दरवाजा और सभी का अलग से मुआवजा दिया जाये। प्रतिफीट दिवार का भी अलग से मुआवजा दिया जाये। प्रतिकुंआ का 1 लाख रुपये के हिसाब से मुआवजा दिया जाये।

479. परशुराम गुप्ता, चोटीगुड़ा – जो बात उपेन्द्र कुमार ने कहा है उससे मैं सहमत हूँ।

480. प्यारेलाल गुप्ता, चोटीगुड़ा – परशुराम बेहरा जो भी बोले हैं, जैसे जमीन का मूल्य, पेड़–पौधे का मूल्य जो वे बोले हैं, उससे हम सहमत है।

481. मुस्तकीन खान, अजीतगढ़ – हमारा गांव मुसलमान के नाम अजीत के नाम से है, हमको आज तक पट्टा नहीं दिया गया है, अगर एन. टी. पी. सी. पट्टा दिलवा दे तो समर्थन है।
482. रघुनाथ, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. का समर्थन है।
483. सुभाष चन्द्र चोटीगुड़ा – जो हमारे भैया लोग बोले हैं उसका समर्थन है।
484. टेकराम, चोटीगुड़ा – हमारा भी समर्थन है, गांव वालों के मांग को पूरा किया जाये।
485. दशुराम पैंकरा, चोटीगुड़ा – हमारे मांग को माने तो हमारा समर्थन है।
486. धरम सिंह, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
487. सुन्दर, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. को नहीं चाहते हैं।
488. गोकुल राम गुप्ता, चोटीगुड़ा – जो मांग किया गया है वह ठीक है।
489. सगर साय सिदार, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
490. भरत राम, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. को हटाना है।
491. मिनकेतन,चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी. जब से आया है, मेरे जमीन को पटवारी और तहसीलदार इधर उधर कर दिये हैं, उसको ठीक कर दें।
492. प्रेम सिंह राठिया, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
493. अजु गुप्ता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ।
494. शिवलाल, रायकेरा – जब मैं छोटा था, तो उसमें बहुत पेड़–पौधा था, उस पेड़ को मैं दोस्त बना लिया हूॅ। मेरा खेत भी कम है, उसको भी नहीं खोना चाहते हैं। एन. टी. पी. सी. का विरोध करते हैं।
495. बुधुराम, रायकेरा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
496. बोधराय, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
497. मनबोध राठिया, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
498. रामेश्वर प्रसाद, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
499. टिकाराम सिदार, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
500. चमार सिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
501. लक्ष्मण, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।
502. गोपीराम गुप्ता, तिलईपाली – यह क्षेत्र आदिवासी बाहुल क्षेत्र है, इस खदान के खुलने से हजारो लाखों पेड़ कटेंगे, जिससे पर्यावरण प्रदूषण होगा। यह क्षेत्र प्रभावित होगा।
503. बोधराम गुप्ता, तिलाईपाली – 10.12.2010 को जो जन सुनवाई होगा, उसका निम्न बिन्दुओं के आधार पर विरोध करता हूॅ – यह क्षेत्र आदिवासी बाहुल क्षेत्र है, इस खदान के खुलने से हजारो लाखों पेड़ कटेंगे, जिससे पर्यावरण प्रदूषण होगा। यह क्षेत्र प्रभावित होगा। हमको बहुत नुकशान होगा, इसलिये विरोध करते हैं।
504. प्रदीप कुमार गुप्ता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ। अगर शहर में इतना गंदगी है, तो गांव में भी होगा इसलिये मैं इसका विरोध करता हूॅ।
505. संजय कुमार गुप्ता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूॅ। हमारे छ.ग. को धान का कटोरा कहते हैं, आज कंपनी खुल रही है, और धान की कमी हो रही है, महंगाई का जमाना आ गया है, हर चीज का रेट

बढ़ रहा है, कंपनी बनेगा तो हम चावल खायेंगे या कोयला को खायेंगे। इसलिये हम विरोध करते है।

506. नवीन कुमार गुप्ता, तिलईपाली –एन. टी. पी. सी. का विरोध करता हूँ।

507. दिलीप कुमार गुप्ता, तिलईपाली – 10.12.2010 को जो जन सुनवाई हो रहा, उसका निम्न बिन्दुओं के आधार पर विरोध करता हूँ – यह क्षेत्र आदिवासी बाहुल क्षेत्र है, इस खदान के खुलने से हजारो लाखों पेड़ कटेंगे, जिससे पर्यावरण प्रदूषण होगा। इस क्षेत्र को प्रभावित होगा। हमको बहुत नुकशान होगा, इसलिये विरोध करते हैं।

508. अनुप कुमार, बिच्छीनारा – – एन. टी. पी. सी. नहीं चाहते हैं।

509. पम्मी सिदार, घरघोड़ा – – एन. टी. पी. सी. सरकारी है और सरकार कभी गलत नहीं करता है, अगर यह प्राईवेट सेक्टर होता तो आज गांव के लोगों को पता भी नहीं चलता और जमीन को ले लेता। – एन. टी. पी. सी.रायगढ़, घरघोड़ा और इस क्षेत्र का विकास करेगा, बिजली बनायेगा जो आज के दिन का सबसे जरुरी चीज है, हम घरघोड़ा के सभी लड़के इसका समर्थन करते हैं। कोरबा के एन.टी.पी.सी.को आज पूरी दूनिया जानती है, अतः मेरा अनुरोध है कि सभी इसका समर्थन करे।

510. हंसराज गुप्ता, घरघोड़ा – मैं एन. टी. पी. सी. का स्वागत करता हूँ, क्योंकि उसके आने से बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे इसलिये मैं इसका समर्थन करता हूँ।

511. राजेश बेहरा, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी. का समर्थन करता हूँ, क्षेत्र का ही नहीं पूरे जिले का विकास होगा, स्थानीय लोगों को रोजगार मिले। मैं एन. टी. पी. सी. का समर्थन करता हूँ। एन. टी. पी. सी का साथ चाहिए, क्षेत्र का विकास चाहिए।

512. जावेद अंसारी, घरघोड़ा – यह गांव या शहर का विकास नहीं पूरे देश का विकास है इसलिये मैं एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।

513. विजय डनसेना, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ और क्षेत्र का विकास चाहता हूँ।

514. उस्मान बेग, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी हमारे भारत सरकार का उपकम है, देश का विकास होगा ,इसका स्वागत करना चाहिए, एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।

515. लीलाधर साहू, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ, क्योंकि इससे युवाओं को रोजगार मिलेगा।

516. प्रदीप कुमार शर्मा, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।

517. सुभाष कुमार, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ, जब मुझे पता चला कि एक सेन्ट्रल गवर्नमेंट का उपकम यहॉ लग रहा है तो मुझे बहुत खुशी हुई, लोगों को उचित मुआवजा और पुर्नवास अच्छे से किया जाये।

518. सुरेन्द्र बेहरा, रायकेरा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ। कंपनी युवाओं को रोजगार दे।

519. अनिल यादव, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।

520. शशिकांत, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी यहॉ बहुत सारे योजनाएं चलाये, गांव के लोगों को आई. टी. आई. में दाखिला करायें।
521. रघुनंदन, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
522. अजय, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
523. पंकज गोपाल, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
524. प्रेम दुबे, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
525. राजू यादव, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
526. शैलेन्द्र पाटकर, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
527. मुकेश डनसेना, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
528. सूर्य प्रताप सिंह राजपूत, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
529. रमा प्रसाद सिदार, पंच, रायकेरा – हम रायकेरा में बहुत दिन से रह रहे है। आज एन. टी. पी. सी. हमारा जमीन ले लेगा तो हम कहॉ जायेंगे, इसलिये हम कोल माईन का विरोध करते है।
530. अनुपम दुबे, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
531. पुन्नुराम, चोटीगुड़ा – हम पूर्वजों से यहॉ रहते हैं, हमें फिर से भगा देंगे तो हम कहॉ जायेगे, तकलीफ होगी, हमको 30 लाख दे तो हमको खुशी होगी।
532. कैलाश कुमार पैंकरा, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
533. देवेन्द्र कुमार पटेल, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
534. केशवकांत चौधरी, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
535. नरेन्द्र, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
536. मुकेश कुमार पण्डा, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
537. मुकेश सिदार, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
538. मनोज कमार पैंकरा, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
539. राहुल चौहान, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
540. शम्भु सारथी, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
541. मनोज कुमार, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
542. दीपक पटेल,घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
543. मो. इमरान, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
544. लोकेश गुप्ता, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
545. जॉन्सन एक्का, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
546. सूरज सिंह, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
547. गनपत राठिया, नवागढ़ – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ। भविष्य में बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा।
548. चमार सिंह यादव, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
549. रुकमण प्रसाद, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
550. सुरेन्द्र बेहरा, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
551. सजय कुमार लहरे, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
552. अजय कुमार पैंकरा, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
553. तुलेश्वर पैंकरा, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।

554. सतीष चौहान, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
555. तिहारु राम, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
556. सूरज कुमार, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
557. संदीप, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
558. राजेन्द्र प्रसाद, तिलईपाली – मै एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूॅ।
559. फूलदास, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी को धन्यवाद।
560. जुगलाल,बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूॅ।
561. बलराम पैंकरा, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूॅ।
562. धरम सिंह, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूॅ।
563. पुष्कर कुमार, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
564. दिलीप कुमार, बजरंगदल, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
565. मनोज महंत, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
566. बलसाय सिदार, रायकेरा – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूॅ।
567. राजू सिदार, घरघोड़ा यूथ कांगेस – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
568. नरेश महंत, यूथ कांग्रेस, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
569. अंबिका वैष्णव, तमनार – एन. टी. पी. सी. एक अच्छी परियोजना है मैं इसका समर्थन करती हूॅ।
570. राजू साहू, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
571. भूपेश सिंह, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
572. भईगा, रामपुर – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूॅ।
573. डमरु, रायकेरा –
574. मेघनाथ सारथी, यूथ कांगेस,घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
575. शिव कुमार महंत, तिलईपाली – युवक–युवतियों हेतु छात्रवृत्ति की व्यवस्था, क्षेत्र के मरीजों हेतु एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है, इन गतिविधियों से एन. टी. पी. सी. की मनसा का साफ पता चलता है आज उसके पास जमीन नहीं होने के बाद भी इतना विकास के कार्य कर रहा है जब वह स्थापित हो जायेगा तो कितना विकास करेगा, एन. टी. पी. सी.के द्वारा गांव के शिक्षित, अशिक्षित लोगों को रोजगार दिया जाये। मैं एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
576. एतवार सिंह, रायकेरा – घर द्वार को नहीं देना चाहते, अच्छा नहीं लग रहा है जो गांव के लोग कहेंगे वही हम भी करेंगे।
577. नरेन्द्र दास महंत, साल्हेपाली – हम जैसे बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, जो लोग बेजा कब्जा किये हैं, उनका भी उचित मुआवज दिया जाये। ग्राम साल्हेपाली के सड़क में बरसात में कीचड़ हो जाता है उसका मरम्मत किया जाये। मैं एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।

578. राजेन्द्र प्रसाद निषाद, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ। जो भी साल्हेपाली के भैया बोले हैं उसी से हमको मुआवजी दिया जाये।
579. मंगल सिंह राठिया, रायकेरा – हमारी मांगों को पूरा करे तो हम एन. टी. पी. सी का समर्थन करते है।
580. बिनकेसन सिदार, रायकेरा– एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
581. शिव प्रसाद बेहरा, रायकेरा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ। जो भी मांग हैं उसको पूरा करे।
582. दयाराम, रायकेरा – सब को पैसा मिलना चाहिए, सब को काम मिलना चाहिए।
583. घासीराम, रायकेरा – एन. टी. पी. सी को नहीं चाहते हैं।
584. परशुराम गुप्ता, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूँ।
585. संतोष कुमार, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
586. गरीब दास, रायकेरा – मेरे 75 डिसमिल जमीन को बूंदराम ले लिया है,
587. पंडव गुप्ता, रायकेरा – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूँ।
588. पवित्र कुमार गुप्ता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूँ। कोई भी कोल माईन्स हो इससे लाभ नहीं होता है, पर्यावरण प्रदूषण होता है इसका मुख्य उदाहरण छुपा हुआ नहीं है, जो टीवी में दिखाता है ग्लोबल वार्मिंग हो रहा है, खदान से उत्पन्न होने वाले समस्या को देखते हुए मैं विरोध करता हूँ।
589. प्रेमलाल गुप्ता, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूँ।
590. भंवर सिंह, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूँ।
591. वृंदावन सिदार, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूँ।
592. अभिराम, नयारामपुर – एन. टी. पी. सी को हटायेंगे।
593. महेश राम राठिया, तिलईपाली – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूँ।
594. आत्माराम, नयारामपुर – इससे बेसक देश का विकास होता है लेकिन जहां पर उद्योग लगता है, उसके नुकशान की भरपाई नहीं की जा सकती, पंजाब, हरियाणा में जमीन का मूल्य 1 करोड़ रुपये एकड़ मिलता है उसका एक तिहाई भाग 350000 रुपये ही कोई कंपनी दे दे तो हम तैयार है।
595. तिरथ दास महंत, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ। सब को रोजगार मिले।
596. प्रकाश कुमार, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
597. आरिफ खान, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
598. सनत राम सिदार, रायकेरा – एन. टी. पी. सी नहीं चाहते है।
599. श्रीराम चौहान, रुमकेरा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
600. मयाराम, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूँ।
601. सुरेन्द्र कुमार, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूँ।
602. अर्जुन, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ। हमारे गांव के मांग को पूरा करे।
603. घनेश्वर, अजीतगढ़ – एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूँ।
604. सुखलाल, बिच्छीनारा – एन. टी. पी. सी को नहीं देंगे।
605. मसुख लाल, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।

606. देवकुमार, साल्हेपाली – साल्हेपाली का जो मांग है उसका मैं समर्थन करता हूँ।
607. चक्रधर खान, चोटीगुड़ा – हमारे गांव के पूरे जमीन को लिया जाये, गैर आदिवासी के जमीन को दो गुना दाम में लिया जाये, 250000 रुपये के हिसाब से मुआवजा दिया जाये, बेजाकब्जाधारी को मुआवजा दिया जाये और उनको रोजगार दिया जाये, हमारे बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण देकर नौकरी दिया जाये, हमारे पेड़–पौधों और दरवाजे चौखट का उचित मुआवजा दिया जाये, पेंशन, 35000 नहीं 50000 रुपये दिया जाये। एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
608. संजय मिश्रा, चोटीगुड़ा – हम एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
609. लाभराम, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी नहीं चाहता हूँ।
610. नरेश कुमार, अमलीडीह – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
611. राधूराम राठिया, अमलीडीह – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
612. चन्द्रदेव सिदार, अध्यक्ष नगर पंचायत, घरघोड़ा – क्षेत्र का विकास चाहिए, एन. टी. पी. सी. का साथ चाहिए।
613. कैलाश कुमार गुप्ता, तमनार – हमारे कुछ भाईयों को एन. टी. पी. सी. क्या है ? इसकी जानकारी नहीं है, रायगढ़ जिले में बहुत सारे कंपनियां आई है, और उन्होंने जो शोषण किया है, उसको वे भूल नहीं पा रहे है, एन. टी. पी. सी. के लग जाने से इस क्षेत्र. का विकास होगा, एन. टी. पी. सी. को इस क्षेत्र में बहुत पहले से आ जाना चाहिए था, इस क्षेत्र में एन. टी. पी. सी. के आने से सभी का भला होगा साथ ही गर्वनमेंट की पालिसी में संशोधन करने हेतु भारत सरकार को जिन भूमि स्वामियों का जमीन जा रहा है उनको मुआवजा के साथ–साथ अंशधारी भी बनाया जाये, जिससे उनकी पीढ़ी भी उसके हिस्सेदार होंगे। प्राईवेट कंपनी एक व्यापारी है जबकि यह एक सरकारी उपक्रम है। एन. टी. पी. सी. का पदार्पण आज से दस साल पहले हो जाना चाहिए था, जिससे इस क्षेत्र का विकास हो चुका होता। किसी के साथ अन्याय न हो, इसकी जानकारी एन. टी. पी. सी.के अधिकारी कार्य करें। एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
614. देवेन्द्र कुमार पण्डा, घरघोड़ा – हमारे देश के कानून में जो समानता के अधिकार दिया गया है उसके तहत् अच्छी शिक्षा, अच्छा जल मिले, इन उपक्रमों के माध्यम से ही हमारे क्षेत्र में जो बेरोजगारी है उस पर नियंत्रण होगा। एन. टी. पी. सी. जहॉ भी स्थापित हुई है, शिक्षा, चिकित्सा आदि पर विशेष ध्यान दिया जाता है, इस क्षेत्र के लोगों को भी अच्छी शिक्षा, और अच्छी चिकित्सा सुविधा प्राप्त होगी, यह परियोजना जल्द से जल्द चालू हो, जिससे इस क्षेत्र के लोगों को इसकी सुविधा मिल सके। प्राईवेट कंपनी और शासकीय उपक्रम में बहुत अंतर होता है, प्राईवेट कंपनी का लाभ का एक ही हिस्सेदार होता है, लेकिन इस उपक्रम के लाभ से देश का विकास होता है।
615. सत्यजीत शर्मा, घरघोड़ा – आज जो एन. टी. पी. सी. के स्थापना का समर्थन है, क्षेत्र का विकास होगा, बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा।
616. विजय कुमार, रायकेरा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।

617. जगेश्वर राठिया, अमलीडीह – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
618. बलराम राठिया, सरपंच, अमलीडीह – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
619. ऋषिकेशन पण्डा, अमलीडीह – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
620. भगवान राम राठिया, अमलीडीह – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
621. संतोष कुमार, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
622. गजानंद बेहरा, रायकेरा – हमारे गांव वालों के मांग को पूरा करते हुए मैं एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ। बड़े खातादारों के खाते को छोटा किया जाये जिससे छोटे खातोदारों को भी लाभ मिले ऐसी व्यवस्था किया जाये।
623. रामसिंह चौहान, सेवादल, तमनार – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
624. नागेन्द्र ठाकुर, सभापति, नगर पंचायत, घरघोड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
625. मुरलीधर साहू, बरकसपाली – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
626. प्रमोद श्रीवास, बरकसपाली – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
627. श्याम लाल पैंकरा, तमनार – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
628. राजेश त्रिपाठी, जन चेतना, रायगढ़ – आज की जन सुनवाई की जा रही है, उसमें ई. आई. ए. के तथ्यों की बातों को रखुंगा, यह पूरा क्षेत्र अनुसूची 5 के अंतर्गत आता है। अनुसूची 5 के अंतर्गत ग्राम पंचायत की अनुमति बहुत महत्वपूर्ण तथ्य है, केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने एक पत्र जारी किया जिसके तहत् एक सूची जारी किया जिसमे 257 ई. आई. ए. बनाने वाले संस्था का नाम है, इस कंपनी का ई. आई. ए. जिसने बनाया है, उसका नाम उस सूची में नहीं है, अगर उस सूची में जो संस्था नहीं है, उसके ई. आई. ए. पर केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय विचार नहीं करेगा। जो अक्षांश और देशांश की जानकारी ई. आई. ए. में दिया गया है उसका अध्ययन नहीं किया गया है। उसको सम्मिलित किया जाये। इनको 2390 घन मीटर पानी प्रतिदिन चाहिए, यानि 872390 घन मीटर प्रतिवर्ष पानी जो लगेगा वह कहॉ से आयेगा। केलो नदी इस कोल माईन क्षेत्र के बीच से निकलती है, जबकि ई. आई. ए. के अनुसार वह इस क्षेत्र में नहीं है। हम विकास की परिभाषा गलत रुप से मानते हैं। 607 हेक्टेयर इस माईन के अंदर रिजर्व फारेस्ट है, हम वृक्षारोपण कर लेंगे, और हावभाव को नियंत्रित कर लेंगे, लेकिन उस जंगल का निर्माण हम नहीं कर सकते, कम से कम वन की क्षति हो इस पर विचार किया जाना चाहिए, ज्यादा से ज्यादा पेड़ कटने की जो बात हो रही है, वर्तमान वायु प्रदूषण की स्थिति को सेन्टर के माध्यम से मापना था, लेकिन उस प्रकार की गुणवत्ता का अध्ययन नहीं किया गया है, ई. आई. ए. के अंदर 440 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रुप से 8000 लोगों को रोजगार मिलने की बात कहा गया है उसमें वो रोजगार किसको मिलेगा यह स्पष्ट नहीं किया गया है। जो लोग जमीन दे रहे हैं उनकी क्षमता और योग्यता के अनुसार उनको रोजगार दिया जाये। जिनकी कृषि जमीन जा रही है उनको कृषि भूमि दिया जाये। इस देश के अंदर जितने भी कंपनियां हुए है उन्होंने पुर्नवास नहीं किया

है। सी. एस. आर. का पैसा रायगढ़ के विकास के लिये राज्य सरकार या केन्द्र सरकार से पैसे की आवश्यकता नहीं है, इतने सारे उद्योग हैं कि प्रतिगांव 500000 रुपये विकास के लिये मिल सकता है। इस देश में किसानों के विकास के नाम से 1 प्रतिशत खर्च भी नहीं किया जाता है। जो बुनियादी हक है वह उनको मिलना चाहिए। रायगढ़ जिले के अंदर 1991 की जनगणना को देखें लगभग 15000 लोग कहॉ गये यह सरकार के पास जवाब नहीं है। जो लोग विकास के लिये इतना बड़ा त्याग और बलिदान करते हैं, उनको क्या मिलता है, हजारो लोग एक्सीडेंट में मारे जा रहे हैं, किसान और मजदूर का बेटा मर रहा है। रायगढ़ से पुसौर कोयला रेलगाड़ी में जायेगी, वो रेलगाड़ी कैसे और कहॉ से जायेगी, उसकी जानकारी ई. आई. ए. मे नहीं है। एन. टी. पी. सी. जैसे उपकम सरकार के सामने कैसे योजनाओं को कैसे रखें। मेरे सबमीशन पर एन. टी. पी. सी. विचार करे।

629. गनपत चौहान, इण्डियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांगेस, जनरल सेकेट्री, रायगढ़ कोयलांचल – मेरे भाई राजेश ने जो बाते कहीं वहीं बात मैं भी कहता यहॉ कोयला खदान लगने वाला है। वर्तमान रेट पर मुआवजा मिलना चाहिए, कुछ जागरुक लोग 1 करोड़ मांग रहे है, मैं कहता हूॅ उससे ज्यादा हमें रोजगार मिल जाये, कोल इण्डिया में नियम है, कि जिनकी जमीन ली जाती है प्रत्येक दो एकड़ पर एक रोजगार मुहैया करायी जाती है। वह भी कलेक्टर व एस. डी. एम. महोदय के माध्यम होगी। पुर्नवास के लिये जहॉ पर उनको बसाया जायेगा, उन्हें एडू पूल के पास बसाया जायेगा, जो 40 किलोमीटर दूर है, जहॉ कोल माईन खुल रहा है वहॉ से अधिक से अधिक 5–10 किलोमीटर दूर पर पुर्नवास किया जाये, रायगढ़ के ठेकेदारों को कोयला नहीं दिया जाये, गांव के लोगों को कोयले का ठेका दिया जाये। गांव के लोगों को रोजगार दिया जाये। यह एन. टी. पी. सी. एक सरकारी उपकम है यह पूरे देश में उजाला फैला रहा है, हमारे गांव में पानी, बिजली की सुविधा दिया जाये। हमारा संगठन इनका समर्थन करता है।

630. मो. आजमखान, उप सरपंच, चोटीगुड़ा – ग्राम चोटीगुड़ा में एक बैठक आयोजन किया गया था, उसमें हमने एक मांग पत्रक तैयार किया था। जो बाते, हमारे भाई त्रिपाठी और चौहान जी ने कहा है उनका मैं समर्थन करता हूॅ, एन. टी. पी. सी. को लोग समझ नहीं रहे हैं, कुछ लोगों का कहना था, कि विरोध नहीं करने से जमीन का रेट नहीं बढ़ेगा, लेकिन अगर हम अपनी समस्या को नहीं रखेंगे, एन. टी. पी. सी का जो कायटेरिया है, उसमें से सात गांवों में से कहीं 60 प्रतिशत कहीं 50 प्रतिशत और कहीं 40 प्रतिशत जमीन बच रही है, हम चाहते हैं कि पूरा 100 प्रतिशत जमीन लिया जाये। हमको 40 किलो मीटर दूर एडू के पास बसाया जायेगा, हम 40 किलो मीटर दूर से आकर कैसे खेती कर सकेंगे। मुआवजा प्रतिएकड़ 30 लाख रुपये दिया जाये, बहरा, खार और टिकरा जमीन तीनों का मूल्य समान होना चाहिए, क्योंकि सब के नीचे कोयला ही निकलेगा, पूर्वज से कोई किसान रह रहा है, जिसके पास खेत नहीं है,

उसको भी मुआवजा दिया जाये। हमारे गांव के लोगों को काम सिखाकर उनको काम दिया जाये। हमारी मांगों को पूरा किया जाये।

631. परमेश्वर साहू, कोटरीमाल – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
632. डमरुधर, कोनपारा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
633. रामसिंह, रायकेरा– एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
634. मेहर भगत, रेगांव – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
635. राजेश कुमार रवानी, रायगढ़ – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ। यह सरकारी कंपनी है इसका समर्थन करना चाहिए।
636. कृष्ण कुमार यादव, तमनार – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
637. मोहन लाल भगत, तमनार – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
638. नरेन्द्र कुमार राठिया, रायकेरा – यह एक सरकारी कंपनी है, मैं अनुसूचित जनजाति का हूँ, हमारे लिये योजना बनायें। एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
639. बंशी, रायकेरा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
640. शिव कुमार बेहरा, रायकेरा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
641. रमेश बेहरा, रायकेरा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ। हम लोग शिक्षित बेरोजगार हैं, हमलोगों को नौकरी भी दिया जाये और मुआवजा भी दिया जाये।
642. अनूप कुमार, रायकेरा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ। नौकरी दिया जाये।
643. रमेश कुमार, बिच्छीनारा – विरोध करता हूँ।
644. अविनाश गुप्ता, तिलाईपाली – विरोध करता हूँ।
645. गौतम दास, तिलईपाली – विरोध करता हूँ।
646. गजेन्द्र प्रसाद, तिलाईपाली – विरोध करता हू।
647. हलधर बेहरा, रायकेरा – मेरे बेजा कब्जा जमीन का पट्टा दिया जाये।
648. रुपधर कुमार बेहरा, रायकेरा – हम छ.ग. के किसानों के साथ छल किया जा रहा है।
649. श्रीरामचन्द्र, साल्हेपाली – हमारे गांव में जो एन. टी. पी. सी. आ रहा है, सब का दुख हानि लाभ एक है, सब को बराबर रेट दे, नवयुवकों को नौकरी दिलाने की कोशि□ा करे।
650. मदन लाला, साल्हेपाली – श्रीराम के बातों का समर्थन करता हूँ।
651. मोहन सिंह चौधरी, साल्हेपाली – श्रीराम के बातों का समर्थन करता हूँ।
652. गंगाराम, साल्हेपाली – हमारे जमाने में भी कोल माईन्स के लिये एन. टी. पी. सी. आ रहा है जिससे हमारा जीवन बहुत दुखी है, हमको आज यहॉ से हटाया जा रहा है। हम चिंतित है कि कौन कहॉ जायेगा, पता नहीं चलेगा। हमारे आठों गांवों के लोगों को 30 लाख के भाव से मुआवजा दिया जाये। हमको भी जमीन महंगे में मिलेगा, इसलिये हमको भी अधिक मुआवजा दिया जाये। जो जैसा पढ़ा लिखा है उसको वैसे काम दिया जाये। वृद्धों को पेंशन दिया जाये।
653. नंदलाल रात्रे, तमनार – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।
654. ओम प्रकाश चौधरी, तमनार – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूँ।

655. प्रतिमा प्रसाद राठिया, तिलाईपाली – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
656. नीलाम्बर, साल्हेपाली – जो मांग किये हैं उसको पूरा किया जाये। मैं एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
657. विजय मणी प्रधान, केनापारा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
658. नाथ, केनापाली – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
659. सूर्यमणी यादव, केनापाली – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
660. नरेन्द्र सिदार, दियागढ़ – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
661. मंगलूराम, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
662. आदित्य, रायकेरा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
663. जगतराम, रायकेरा – एन. टी. पी. सी का स्वागत है हमारी मांगे पूरी करे।
664. भुजबल सिदार, रायकेरा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
665. तेजराम,केनापारा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
666. देवप्रसाद, साल्हेपाली – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
667. गिरधारी भोय, केनापारा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
668. शम्भुराम, चितवाही – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ। रायकेरा से लेकर हुकराडीपा तक के सड़क को पूरा किया जाये।
669. सुखलाल, खेदापाली – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
670. मो. समीमुद्दीन, चोटीगुड़ा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ। हम सहमत है।
671. सत्यनारायण साहू, रायगढ़ – कौन अपनी उन्नति नहीं चाहता है, हमारे पांव के नीचे काला हीरा दबा है, बाहर आयेगा तो उन्नति होगी, एन. टी. पी. सी. आया है, यह हमारे लिये खुशी की बात है, यह सेन्ट्रल का होने के बाद भी राज्य सरकार की नीतियों का पालन कर रहा है। मैं एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
672. स्वीकृत कुमार, घरघोड़ी ' एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
673. रमेश कुमार, कोलम – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
674. सुखदेव घोष, भूपदेवपुर – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।
675. भानूप्रताप कश्यप, चोटीगुड़ा – मैं तिलाईपाली कोयला खदान के तहत् जो जन सुनवाई आयोजित किया है उसमें अनेक प्रकार के ग्रामवासी यहॉ मौजूद हुये और अपने विचार प्रकट किये जो मांग, अनुरोध, समर्थन और विरोध हुआ। पर्यावरण के संबंध में इतना ही कहता हूॅ, कि पर्यावरण प्रदूषण होने पर इसका सीधा असर गरीब ग्रामीण जनता पर होती है। इस दुर्भाग्यपूर्ण प्रदूषण को रोकने के लिये जो प्रयास करते हैं। वृक्षारोपण पर्यावरण प्रबंधन कार्य करते हैं, उत्खनन कार्य से सबसे पहले जल का स्तर गिर जाता है जमीन की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है, यहॉ की जनता सिर्फ कृषि पर निर्भर है, एन. टी. पी. सी. के द्वारा जो मुआवजा दिया जायेगा, उस पैसे का सही उपयोग गांव के लोग नहीं कर पायेंगे। सरकार इस बात को अनसुनी न करे, अपना करुणा बनाये रखे। क्षेत्र के लोगों के अनुसार लगभग 97 प्रतिशत विरोध हुआ है, राज्य सरकार से अनुरोध है कि हरियाणा सरकार की तरह एक करोड़ नहीं तो उसका एक

तिहाई मुआवजा दिया जाये। जो बात कही जा रही है उसका प्रमाण दिया जाये, पुष्टि की जाये।

676. देशीराम, चोटीगुड़ा – उचित मूल्य मिलना चाहिए, हर परिवार को एक नौकरी मिलना चाहिए, घर बाड़ी आंगन का भी मुआवजा दिया जाये।

677. गांड़ाराम, रायकेरा – जितनी जल्दी हो उतनी जल्दी, एन. टी. पी. सी. आये।

678. तुलोमड़ी बेहरा, रायकेरा – एन. टी. पी. सी को जमीन दिया हूॅ, मेरे बेटे के एक्सीडेंट हो जाने पर एन. टी. पी. सी. ने सहयोग किया है इसलिये मैं एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।

679. लेखराम सिंह, लैलूंगा – एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।

680. दयाराम चौहान, बिच्छीनारा – जब अंगेज आये थे, तो हमारे देश को खोखला कर दिया था, वैसे ही यह भी गांव को खोखला कर देगा। मैं एन. टी. पी. सी का विरोध करता हूॅ।

681. खीरसिंह, चोटीगुड़ा – सभी को उचित मुआवजा मिले, जो बात बड़े लोग बोले हैं, वह काम होना चाहिए।

682. कुमार सिंह राठिया, रायकेरा – जमीन का उचित मुआवजा दिया जाये। एन. टी. पी. सी का समर्थन करता हूॅ।

683. ब्रजमोहन बेहरा, रायकेरा – एन. टी. पी. सी जल्दी आये, हमारे पास जमीन नहीं है, हम धंधा पानी से अपना जीवन चलाते हैं।

लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण क्षेत्रीय अधिकारी एवं अतिरिक्त जिलादण्डाधिकारी द्वारा पढ़कर सुनाया गया।

लोक सुनवाई के दौरान जनता द्वारा उठाये गये मुद्दों के संबंध में उद्योग कंपनी प्रतिनिधि श्री हर्ष पचौरी, उप प्रबंधक, जनसंपर्क, ए. बी. हलधर, प्रोजेक्ट हेड एवं पी. गिरी ई. आई. ए. कंसलटेंट ने परियोजना से होने वाले होने वाले प्रदूषण के नियंत्रण हेतु लगाये जाने वाले आधुनिक उपकरणों, ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन, जल आपूर्ति, सामुदायिक विकास तथा लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये समस्त बिंदुओं पर बिन्दुवार अपना पक्ष रखा।

सुनवाई के दौरान कई लोगों द्वारा लिखित अभ्यावेदन भी प्रस्तुत किया गया। संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई ।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा सायं 6.40 बजे उपस्थित लोगों के सुझाव, आपत्ति, टीका–टिप्पणी पर कंपनी प्रतिनिधि की ओर से जवाब आने के पश्चात् लोक सुनवाई के समाप्ति की घोषणा की गई।

(जे. लकड़ा)
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़

(एस. के. शर्मा)
अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)